ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-03-2022

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-03-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-03-26	2022-03-27	2022-03-28	2022-03-29	2022-03-30
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	34.0	34.0	37.0	38.0	38.0
न्यूनतम तापमान(से.)	16.0	16.0	17.0	18.0	18.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	80	75	75	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	35	30	25	25
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8.0	10.0	10.0	8.0	8.0
पवन दिशा (डिग्री)	310	300	320	320	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

विगत सात दिनों (18 – 24 मार्च , 2022) में 0.0 मिमी वर्षा हुई व आसमान साफ रहा। अधिकतम तापमान 33.5 से 34.5 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 15.5 से 22.4 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 69 से 92 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 33 से 49 प्रतिशत एवं हवा 0.6 से 5.2 कि0मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्यतः उत्तर, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम व पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से चली| आने वाले पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 34.0 से 38.0 व 16.0 से 18.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 8.0-10.0 किमी/घंटे की गति से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम व उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस के अनुसार, 30 मार्च से 5 अप्रैल के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से कम तथा अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः सामान्य से अधिक व सामान्य रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी एप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) से डाउनलोड किया जा सकता है| पुष्पन के समय बगीचो की जुताई न करें तथा आवश्यकतानुसार बागो की सिंचाई करे। पुष्पन के समय कोई भी कीटनाशी दवा का प्रयोग ना करे। क्योंकि इससे परागण में भाग लेने वाली मक्खियो के मरने का खतरा होता हैं।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, मौसम शुष्क रहेगा। आगामी माह में सब्जियों की बुवाई एवं प्रतिरोपण हेतु खेतों की तैयारी

करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मूँग	मूंग की बुवाई करें। तराई क्षेत्र में मूंग की बुवाई मार्च के अंत तक कर लें।
चारा मक्की	चारे वाली फसलों -चरी, मक्का, बाजरा, मकचरी, लोबिया और ज्वार आदि की बुवाई मार्च माह में कर सकते है।
गेहूँ	फसल में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। गुल्ली डण्डा व जंगली जई आदि खरपतवारों को निकालकर नष्ट कर दें। गेहूँ में माहू का प्रकोप होने पर, थायोमेथेक्साम 25 डब्लू एस जी के 100 मिली/हैक्टर का या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस एल के 140 मिली/ हैक्टर का 500-600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। 15 दिन पर दूसरा छिड़काव करें। छिड़काव सुबह या शाम उस समय करें जबकि बारिश या तेज हवा नहीं चल रही हों।
फील्ड पी	मटर की जब 90 प्रतिशत फलियाँ पक कर भूरे रंग की हो जायें तब कटाई करें। फसल को सुखाकर ओसाई करें। बीज को सुखाकर भण्डारित करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर	टमाटर व मिर्च की फसल मे रोपाई करने से पूर्व जड़ो को एमिडाक्लोप्रिड 1 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर 10-15 मिनट तक डुबाने के बाद रोपाई करे। टमाटर व मिर्च की फसल मे अगेती रोपी गई फसल में सिकुड़े हुए चित्तकबरे पत्ते दिखाई देने पर ग्रसित पौधो को निकालकर नष्ट करे। तथा रस चूसने वाले कीड़ो के नियत्रंण हेतु सर्वागीं कीटनाशी का छिड़काव करें।
सब्जी पीईए	मटर में पौधों की सूखने एवं निचली पत्तियां पीले पड़ने की अवस्था में कार्बन्डाजिम 1.0 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर जड़ों की सिंचाई करें ।
मिर्च	मिर्च की फसल मे रोपाई करने से पूर्व जड़ो को एमिडाक्लोप्रिड 1 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर 10-15 मिनट तक डुबाने के बाद रोपाई करे। अगेती रोपी गई मिर्च की फसल में सिकुड़े हुए चित्तकबरे पत्ते दिखाई देने पर ग्रसित पौधो को निकालकर नष्ट करे तथा रस चूसने वाले कीड़ो के नियत्रंण हेतु सर्वागीं कीटनाशी का छिड़काव करें।
आम	आम में गुम्बा (मालफॉरमेसन) होने की दशा में इसको तुरन्त कैची से काटकर निकालते हुए गढ्ढा खोदकर उसमे दवा दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	गर्भवती पशुओ में प्यूरपरल बुखार को रोकने के लिए, प्रतिदिन 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण को पशुओं की प्रतिरक्षा को बढ़ाने हेतु आहार के रूप में दें। इस समय पशुओं में बॉझपन और जोहन की बीमारी होने की अधिक संम्भावना है। इस स्थिति में पशुओ का तत्काल इलाज करवाए। भैंसों के बछड़े जिनकी उम्र 2 माह के आस-पास हो गई है, उनको कृमिनाशक दवा दें।
गाय	गाय के बछड़े जिनकी उम्र 2 माह के आस-पास हो गई है, उनको कृमिनाशक दवा दें।